एक नजर में

नपाध्यक्ष ने मेला ग्राउण्ड एवं शिवना नदी के घाट का निरीक्षण किया

मन्दसौर। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 2025 से दिनांक 20 नवम्बर 2025 तक 63वें भगवान पशुपतिनाथ महादेव मेला का आयोजन किया जा रहा है। पशुपतिनाथ महादेव मेला की व्यवस्था चाक चौबंद रहे इसके लिये नगरपालिका परिषद एवं पशुपतिनाथ मेला समिति प्रयत्नशील है। बैमौसम वर्षा के कारण मेला की व्यवस्थाएं पिछले दिनों कुछ समय के लिये अवश्य प्रभावित हुई थी लेकिन वर्षा का दौर समाप्त होने के बाद नपा ने तेजी से व्यवस्थाओं को फिर से चाक चौबंद करना शुरू किया है। कल कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर पशुपतिनाथ महादेव मेला में मंदसौर जिले एवं आसपास के जिलों के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में पहुंचे और उन्होंने शिवना नदी के घाट (पशुपतिनाथ मंदिर के पास) पर दीपदान किया। दीपदान क व्यवस्थाओं को देखने के लिये कल नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने मेला सभापति श्रीमती प्रतिभा विक्रम भैरवे एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती अनिता चोकोटिया के साथ मेला ग्राउण्ड एवं पशुपतिनाथ मंदिर के घाट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि विक्रम भैरवे, भाजपा नेता राजेश गुर्जर, नपा अधिकारी पी.एस. धारवे, प्रभावी राजस्व अधिकारी मंगेशराव नवले, नपा कर्मचारी पंकज साकी, बाबू खां भी साथ थे।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना बनी जीवार्थ के जीवन की डोर

मंदसौर। जिले के छोटे से ग्राम नगरी में किसान महेश धाकड़ और उनकी पत्नी ज्योति के घर 2 अक्टूबर 2025 को खुशियों का आगमन हुआ, नन्हा जीवार्थ जन्मा। लेकिन जन्म के साथ ही परिवार की खुशियाँ चिंता में बदल गईं। जीवार्थ को सांस लेने में दिक्कत थी, रो नहीं पा रहा था, और डॉक्टरों ने बताया कि उसे डायाफ्रामिक हर्निया नाम की गंभीर बीमारी है — एक ऐसी स्थिति जिसमें पेट के अंग छाती की गुहा में चले जाते हैं और बच्चे को सांस लेने में परेशानी होती है। महेश, जो स्वयं एक छोटे किसान हैं, के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी — अपने बेटे को बचाना। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, पर बेटे की जिंदगी से बड़ा कुछ नहीं था। उन्होंने बेटे को तुरंत इंदौर के एक निजी अस्पताल वी-वन हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि इलाज संभव है, लेकिन खर्च काफी अधिक आएगा।

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत घर-घर मतदाता सत्यापन अभियान प्रारंभ

मंदसौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता सूची का घर-घर सत्यापन अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान आगामी 4 दिसम्बर 2025 तक जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में संचालित होगा। इस अवधि में प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं के घर जाकर उनके नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन करेंगे। बीएलओ के पास मतदाता सूची 2025 के अनुसार नाम, पता और ईपीआईसी नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। नागरिकों से अपेक्षा की गई है कि वे इस फॉर्म में दर्ज जानकारी को ध्यानपूर्वक जांचें और आवश्यक संशोधन हेतु जानकारी प्रदान करें। जिन परिवारों में कोई नया सदस्य 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, उसका नाम जोड़ने हेतु बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 भरवाया जाएगा। वहीं, जिन व्यक्तियों का निधन हो गया हो या जो अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो गए हों, उनकी जानकारी भी बीएलओ को देकर मतदाता सूची से नाम विलोपित कराया जा सकेगा।

ऑल इंडिया बेकवर्ड क्लासेस फेडरेशन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बने ओमेश राठौर

मन्दसौर। ऑल इंडिया बेकवर्ड क्लासेस फेडरेशन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पद पर विभिन्न संगठनों से जुड़े एवं आमजन के अधिकारों के संघर्षरत रहने वाले श्री ओमेश राठौर मंदसौर को मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आर.पी. साहूजी द्वारा फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. ईश्वरेह आंध्रप्रदेश के अनुमोदन से की गई है। साथ ही श्री ओमेश राठौर को उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर डिविजन का विशेष कार्यभार भी सौंपा गया है। सम्पूर्ण भारत में पिछड़ा वर्ग के हितों और अधिकारों की 'सोशल जस्टिस', 'सामाजिक न्याय की संघर्ष लड़ाई' को माननीय न्यायालय के साथ ही धरातल पर जमीनी स्तर में होने वाले शोषण को खत्म करने के लिये लगातार संगठन के रूप में पूरे भारत में अलख जगाई जा रही है। जिसके मुखिया (राष्ट्रीय) के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग भारत सरकार, केन्द्रीय केबिनेट स्तर दर्जा मंत्री, पूर्व मुख्य न्यायाधीश आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय श्री वी. ईश्वरेह जी द्वारा एक सशक्त संगठन के रूप में पिछड़ा वर्ग के हित अधिकारों का संरक्षण देने के 'पवित्र और नेक उद्देश्य' से सतत प्रयास किये जा रहे है। जिसको लेकर मध्यप्रदेश में संगठन का विस्तार करते हुए कंधे से कंधा मिलाकर पिछड़े वर्ग के हितों और अधिकारों की इस यात्रा में, उनके साथ होने वाले गलत और असंवैधानिक हितों की रक्षा एवं उनके संरक्षण को ध्यान में रखकर उनके साथ न्याय के लिये खड़े रहना और उनके संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई लड़ना, जिसको गति देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष व तीन डिविजन के प्रभारी के रूप में श्री ओमेश राठौर मंदसौर को मनोनीत किया है।

शिवना नदी घाट पर हजारों महिलाओं ने किया दीपदान

▸ **कार्तिक पूर्णिमा पर पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धा की अविरल धारा**

मंदसौर। कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार शाम भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के पवित्र घाट पर भव्य दीपदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जब हजारों महिलाओं ने शिवना नदी में दीप प्रवाहित कर अपने आराध्य भगवान पशुपतिनाथ से सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।

शाम ढलते ही मंदिर परिसर दीपमालाओं से जगमगा उठा और नदी के जल में तैरते दीपों की सुनहरी आभा ने मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सुसज्जित होकर समूहों में घाटों पर पहुंचीं और बांस से बने दीपदान पिंजरों में दीप सजाकर नदी में प्रवाहित किए। इस दौरान वातावरण 'हर हर महादेव' और 'जय पशुपतिनाथ' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। श्रद्धालु परिवारों सहित पूरे उत्साह से कार्यक्रम में शामिल हुए। नगर के प्रमुख सामाजिक संगठनों ने घाटों पर व्यवस्था एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दिया।

कार्तिक पूर्णिमा का यह पर्व भगवान शिव के प्रति श्रद्धा, आस्था और प्रकाश का प्रतीक बन गया, जिसमें भक्तों ने दीपदान के माध्यम से अपने जीवन में शांति, सौहार्द और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पशुपतिनाथ मंदिर पर पं. रूद्रदेव त्रिपाटी की शिव महापुराण कथा का पुराण पौथी यात्रा से हुआ शुभांरभ

मंदसौर। नगर में 5 नवंबर बुधवार को भगवान अष्टमुखी श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पर भव्य प्रतिष्ठा पाटोत्सव 65 वें वर्ष पर 11 दिवसीय आयोजन में पशपुतिनाथ सभाग्रह में आयोजित पं. रूद्रदेव त्रिपटी के मुर्खाबिन से शिव महापुराण कथा के दौरान प्रथम दिवसीय आयोजन के शुभारंभ में सुदर्शन कालोनी, पशुपतिनाथ परिसर से पुराण पौथी यात्रा बैंड बाजे ढोल ढमाके के साथ निकाली गई।इस पौथी यात्रा में सैकड़ों महिलाओं एवं भक्तजनों ने भाग लिया। आयोजन में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, विशेष अतिथि नगर पालिका सीमएओं व डिप्टी कलेक्टर अनिता चकौटीया, मेला सभापति श्रीमती प्रतिभा विक्रम भैरवे पौथी यात्रा में शामिल हुए। राष्ट्रीय कथा व्यास पं. श्री रूद्रदेव त्रिपाटी का सम्मान कथा आयोजन समिति के राधेश्याम मारू, पं. महेश दुबे, दिनेश सौलंकी द्वारा किया गया। शिव महापुराण कथा पं. रूद्रदेव त्रिपाटी के मुर्खादिन से पं. रूद्रदेव त्रिपाटी ने वर्णन में कहा कि संत के दर्शन और भगवान की कथा भारर्तीय रिर्जव बैंक के नोट से नही मिलता कोई भी आयोजन में तीन सुत्रो का होना बहुत आवश्यक है वे तीन सुत्र ईच्छा प्रयतन्न अनुकंपा है। ये तीनो सुत्र जब तक समनव्य नही होते तब तक कथा नही हो सकती है। आयोजन करने के लिये प्रयतन्नशिल होना पड़ेगा जब तक भगवान पशुपतिनाथ की कृपा आप पर नही होगी तब तक ये आयोजन नही होगा। इस कथा के वर्णन में पं. रूद्रदेव त्रिपाटी ने प्रथम दिवसीय शिव महापुराण कथा का विस्तारीकरण किया। इस अवसर पर सैकड़ों भक्तजनों ने कथा का श्रर्वण किया । पं. श्रीकृष्ण वल्लभ शास्त्री द्वारा बताया गया कि 11 दिवसीय आयोजन में भागवत विचार संसथान द्वारा आयोजित यह शिव पुराण कथा व्यासपीठ पर राष्ट्रीय कथा व्यास पं. श्री रुद्रदेव त्रिपाठी जावद वाले के मुर्खाबिद से 5 नवंबर से 11 नवंबर तक आयोजित की जायेगी।

शंखोद्वार मेले में उमड़ी श्रद्धा, अकाल मृत्यु से मुक्ति का माना जाता है प्रतीक

गरोठ। मंदसौर जिले की गरोठ तहसील के मौला खेड़ी बुजुर्ग गांव स्थित प्राचीन शंखोद्वार मेले का चार दिवसीय आयोजन कार्तिक पूर्णिमा पर सम्पन्न हुआ। दीपावली पश्चात लगने वाला यह राज्य स्तरीय मेला अकाल मृत्यु से मरे लोगों की आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए आयोजित किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि अकाल मृत्यु को प्राप्त आत्माएं इस शंख द्वार से होकर यमलोक नहीं जातीं, बल्कि मोक्ष प्राप्त करती हैं। शिव पुराण और गरुड़ पुराण में वर्णित 'अकाल मृत्यु के बाद तर्पण' की परंपरा का उद्गम स्थल भी यही माना जाता है।

चार दिन तक चलने वाले इस मेले में पिंडदान, नारायण बली, त्रिपिंडी श्राद्ध और ब्राह्मण भोज की विशेष धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराई जाती हैं। चंबल नदी किनारे स्थित इस स्थल का प्रबंधन शंखोद्वार ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, जबकि प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है।

ऐतिहासिक रूप से यह स्थल पूर्व में चंबल नदी तट पर स्थित था, जो गांधी सागर बांध निर्माण के दौरान जलमग्न हो गया। इसके बाद 1961 में इसे मौला खेड़ी बुजुर्ग में पुनर्स्थापित किया गया। आज यह मेला मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

महाविद्यालय मनासा में जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन

मनासा। शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा में जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता के अंतर्गत वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोतीलाल धाकड़ एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अश्विन सोनी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. मोतीलाल धाकड़ ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा अतिप्राचीन है और भारत युवाओं का देश है, किंतु आज का युवा भारतीय ज्ञान से दूर होता जा रहा है। हमें पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को समझकर आश्रम व्यवस्था को पुन: जीवन में अपनाना चाहिए।

जनभागीदारी अध्यक्ष अश्विन सोनी ने कहा कि आज भले ही प्रतियोगिता में विद्यार्थी विभिन्न महाविद्यालयों से आए हैं, लेकिन हम सब नीमच जिले की एक टीम हैं, जो एकता और प्रतिभा का प्रतीक है।

युवा उत्सव प्रभारी प्रो. सुदेश कलम ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा को समझने के लिए हमें अपनी महान संस्कृति को जानना होगा वह संस्कृति जो पूरे विश्व को अपना परिवार मानती है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में से प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में नीमच जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

निर्णायक मंडल में सुरेश पाटीदार, नरेंद्र व्यास, और सुरेश प्रजापति (दादू) ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपनी कविताओं से भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश मालवीय, सुमित मेड़ा और डॉ. स्मिता रावत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. ममता बसेर ने व्यक्त किया।

अचानक बंसल चौराहा पहुंचे विधायक व नपाध्यक्ष

नीमच। बुधवार 5 नवंबर को सुबह अचानक विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा अंबेडकर रोड स्थित बंसल चौराहा (समता चौराहा) पहुंचे और वहां नगर पालिका नीमच द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में चलाए जा रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक व नपाध्यक्ष ने मौके पर उपस्थित नपा सीएमओ श्रीमती बामनिया से शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर चर्चा की एवं आवश्यक निर्देश भी दिये। इस दौरान नपा के स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक व गैंग प्रभारी श्री अविनाश घेंघट भी उपस्थित थे।

विदित हो कि नगर पालिका नीमच द्वारा बारिश बंद होने के बाद बारिश से प्रमुख मार्गों के दोनों साइड एवं डिवाइडर पर उत्पन्न कचरा एवं झाड़ियां को हटाने का कार्य निरंतर चलाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार 5 नवंबर को नगर पालिका द्वारा अंबेडकर रोड पर जेसीबी व नगर पालिका के सफाई अमले के माध्यम से सड़क के दोनों और झाड़ियां, कचरा, खरपतवार सहित अन्य अनुपयोगी सामग्री हटाने हेतु सफाई कार्य कराया गया। इस दौरान नगरपालिका के स्वच्छता निरीक्षक व स्वच्छता पर्यवेक्षक भी मौजूद थे।

एक नजर ▸ **950 किसानों ने विक्रय की 11 हजार 183 क्विंटल से अधिक सोयाबीन**

नीमच जिले के किसानों को मिल रहा है भावांतर भुगतान योजना का लाभ

नीमच। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भावांतर भुगतान योजना लागू की गई है। यह योजना प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत 'प्राइस डिफिसिट स्कीम' के रूप में संचालित की जा रही है। भावांतर योजना किसानों के लिए संबल बन रही है। किसानों ने मुख्यमंत्रीजी का आभार जताया।जिले में अब तक 950 किसानों ने 11 हजार183 क्विंटल् से सोयाबीन योजना के तहत विक्रय की है।

इस योजना के तहत यदि किसान अपनी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर बेचते हैं तो सरकार बिक्री मूल्य और समर्थन मूल्य के बीच का अंतर सीधे किसानों के खाते में जमा करती है। म.प्र. में भावांतर योजना सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए लागू की गई है। 17 अक्टूबर तक किसानों का पंजीयन कराया गया था।अब 24 अक्टूबर से कृषि उपज मंडियों में खरीदी कार्य प्रारंभ हो गई है। नीमच जिले के गांव रामपुरिया के किसान दलसिंह ने बताया कि भावांतर योजना से उन्हें लगभग 1,000 से 1,500 प्रति क्विंटल का अतिरिक्त लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने 25-30 क्विंटल सोयाबीन मंडी में बेचा, स्कीम बहुत अच्छी है और मुझे सही भाव मिला। नीमच जिले के गांव कनावटी के किसान भेरूलाल अहीर ने कहा कि हमारी सोयाबीन 3,698 रुपए प्रति क्विंटल में बिकी, लेकिन सरकार के भावांतर से हमें लगभग 1,700-1,800 रुपए का फायदा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश सरकार का धन्यवाद, जिन्होंने किसानों के हित में यह योजना लागू की।

नीमच कृषि उपज मंडी प्रशासक श्री संजीव साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जो सोयाबीन के किसान भाई हैं उनको एमएसपी के रेट जो 5328 है, उसे मॉडल रेट के अंतर की राशि देने की घोषणा की थी और एक भावांतर योजना की घोषणा की थी। उसी के अंतर्गत 15,500 से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन भावांतर योजना में कराया है। 24 अक्टूबर से यह भावांतर की खरीदी मंडियों में की जा रही है। लगातार किसान भाई अपनी उपज लेकर आ रहे हैं, भावांतर योजना के तहत खरीदी की जा रही है। मॉडल रेट और एमएसपी के अंतर की राशि किसानों के खाते में पहुंचाई जाएगी।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच, जावद और मनासा मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, सटीक तोल-काटा और पारदर्शी नीलामी प्रणाली सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक मंडी में हेल्थ डेस्क और नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। जिले के कुल 15,956 किसानों ने भावांतर योजनांतर्गत अपना पंजीयन कराया है। किसान उत्साहपूर्वक अपनी उपज मंडियों में बेच रहे हैं। अब तक नीमच मंडी में 320 किसानों द्वारा 4860 क्विंटल और मनासा मंडी में 625 किसानों द्वारा 6216 क्विंटल सोयाबीन की बिक्री की जा चुकी है। जावद एवं सिगोली मंडी में भी 7 किसानों ने 104 क्विंटल सोयाबीन भावांतर के तहत बिक्री जारी है। भावांतर भुगतान योजना ने प्रदेश के किसानों को राहत दी है और उन्हें अपनी उपज का वाजिब दाम मिल रहा है।